प्रश्नकोश

1. निम्नलिखित में से किसने 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' घोषित किया?

(a) रैम्जे मैक्डोनॉल्ड (b) स्टेनले बॉल्डविन

(c) नेविल चैम्बरलेन (d) विंस्टन चर्चिल

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर—(a)

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में विभिन्न संप्रदायों एवं दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल के विषय पर कोई सहमति नहीं बन पाई थी। अत: सम्मेलन ने इस समस्या के निदान के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड को प्राधिकृत किया। तदनुसार 16 अगस्त, 1932 को रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने अपने सांप्रदायिक अधिनिर्णय की घोषणा की, जिसे सांप्रदायिक पंचाट (कम्युनल अवॉर्ड) कहा गया।

2. अगस्त, 1932 के रैम्जे मैक्डोनॉल्ड के सांप्रदायिक पंचाट के द्वारा पहली बार एक पृथक निर्वाचक समूह बनाया गया—

(a) मुसलमानों के लिए (b) भारतीय ईसाइयों के लिए

(c) एंग्लो-इंडियंस के लिए (d) अछूतों के लिए

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर—(d)

Scanned with OKEN Scanner

ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने 16 अगस्त, 1932 को सांप्रदायिक पंचाट प्रस्तुत किया। जिसके अंतर्गत प्रत्येक अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विधानमंडलों में कुछ सीटें सुरक्षित कर दी गईं, जिनके सदस्यों का चुनाव पृथक निर्वाचक मंडलों द्वारा किया जाना था। मुसलमान और सिख तो पहले से ही अल्पसंख्यक माने जाते थे। अब इस नए कानून के अंतर्गत दलित वर्ग को भी अल्पसंख्यक मानकर हिंदुओं से अलग कर दिया गया।

3. कथन (A) : ब्रिटिश सरकार ने अगस्त, 1932 में सांप्रदायिक पुरस्कार की घोषणा की।

कारण (R) : इसके तहत प्रत्येक अल्पसंख्यक समुदाय के लिए विधानमंडलों में कुछ सीटें सुरक्षित की गई थीं, जिसके लिए सदस्यों का चुनाव पृथक निर्वाचन मंडलों से होता था।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए -

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. मैक्डोनॉल्ड के सांप्रदायिक पंचाट (Communal Award) ने किसे पृथक चुनाव क्षेत्र एवं आरक्षित सीटें आवंटित नहीं की थीं?

(a) मुसलमानों को (b) सिक्खों को

(c) अनुसूचित जातियों को (d) बौद्धों को

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर—(d)

16 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने सांप्रदायिक पंचाट की घोषणा की। इसमें पृथक निर्वाचक पद्धति को न केवल मुसलमानों के लिए जारी रखा गया, अपितु इसे दलित वर्गों पर भी लागू किया गया। इसके तहत मुसलमानों, ईसाइयों, सिक्खों, आंग्ल-भारतीयों तथा अन्य के लिए पृथक निर्वाचन पद्धति की सुविधा प्रदान की गई, जो केवल प्रांतीय विधानमंडलों पर ही लागू थी। अतः स्पष्ट है कि बौद्धों को पृथक चुनाव क्षेत्र एवं आरक्षित सीटें इसके तहत आवंटित नहीं की गईं।

Scanned with OKEN Scanner

5. **महात्मा गांधी ने पहला आमरण अनशन कब प्रारंभ किया था?**
(a) कम्युनल अवॉर्ड के समय
(b) कलकत्ता के दंगों के समय
(c) जलियांवाला बाग दुर्घटना के समय
(d) दिल्ली के दंगों के समय

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

गांधीजी ने अपना पहला आमरण अनशन (Fast Unto Death) 20 सितंबर, 1932 को यरवदा जेल में रहते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड के 'सांप्रदायिक निर्णय' (Communal Award) के विरुद्ध प्रारंभ किया था जो कि 24 सितंबर, 1932 को अम्बेडकर और गांधीजी के अनुयायियों के मध्य पूना समझौता हुआ। इस समझौते को ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मति प्रदान किए जाने के बाद 26 सितंबर, 1932 को गांधीजी ने अनशन तोड़ा।

6. **1932 में महात्मा गांधी ने मरणपर्यंत उपवास प्रधानतया इसलिए किया कि**
(a) गोलमेज सभा भारतीय राजनीतिक आकांक्षाओं को संतुष्ट करने में असफल हुई।
(b) कांग्रेस और मुस्लिम लीग में मत-भिन्नता थी।
(c) रैम्जे मैकडोनॉल्ड ने सांप्रदायिक अधिनिर्णय (कम्युनल अवॉर्ड) की घोषणा की।
(d) इस संदर्भ में उपर्युक्त (a), (b) और (c) कथनों में से कोई भी सही नहीं है।

I.A.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. **सांप्रदायिक अवॉर्ड एवं पूना पैक्ट में क्रमशः दलित वर्ग के लिए कितनी सीटें दी गईं?**
(a) क्रमशः 74 व 79 (b) क्रमशः 71 व 147
(c) क्रमशः 78 व 80 (d) क्रमशः 78 व 69

47th B.P.S.C. (Pre) 2005

उत्तर–(b)

सांप्रदायिक अवॉर्ड में प्रांतीय विधानमंडलों में दलितों के लिए सुरक्षित सीटों की संख्या 71 थी, जिसे पूना पैक्ट में बढ़ाकर 148 (मद्रास-30, सिंध सहित बंबई-15, पंजाब-8, बिहार और उड़ीसा 18, मध्य प्रांत-20, असम-7, बंगाल 30 एवं संयुक्त प्रांत-20) कर दिया गया। कुछ पुस्तकों में यद्यपि यह संख्या 147 मिलती है। साथ ही केंद्रीय विधानमंडल में सामान्य वर्ग की सीटों में से 18 प्रतिशत सीटें दलित वर्गों के लिए आरक्षित की गईं।

8. **पूना पैक्ट संबंधित था–**
(a) दलित वर्ग से (b) हिंदू-मुस्लिम एकता से
(c) संवैधानिक प्रगति से (d) शैक्षिक सुधार से

U.P. P.C.S. (Pre) 1996
U.P. P.C.S. (Pre) 2007
U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. **पूना समझौते का उद्देश्य था–**
(a) हिंदू-मुस्लिम एकता
(b) दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देना
(c) राजाओं को विशेषाधिकार देना
(d) द्वैध शासन (Dyarchy) पर पुनर्विचार करना

46th B.P.S.C. (Pre) 2004
U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. **कथन (A) : पूना पैक्ट ने कम्युनल अवॉर्ड के उद्देश्य को धराशायी कर दिया।**
कारण (R) : उसके माध्यम से संसद एवं विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के सीट आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो गया।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परंतु (R) सही है।

U.P. P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(a)

16 अगस्त, 1932 को रैम्जे मैक्डोनॉल्ड ने अपने सांप्रदायिक निर्णय (कम्युनल अवॉर्ड) की घोषणा की। इस अधिनिर्णय के तहत मुसलमानों, यूरोपियों तथा सिक्खों के साथ-साथ दलित वर्गों के लिए भी पृथक निर्वाचन-मंडल का प्रावधान था। इसके विरोध में गांधीजी 20 सितंबर को आमरण अनशन पर बैठ गए। अंततः 24 सितंबर, 1932 को पूना में एक समझौता हुआ, जिसमें दो शर्तों के आधार पर संयुक्त निर्वाचन-मंडल बनाए जाने के संबंध में सहमति हुई। ये दो शर्तें थी- प्रथमतः विभिन्न

Scanned with OKEN Scanner

प्रांतीय विधानमंडलों में दलित वर्गों के लिए 148 सीटें आरक्षित की गईं, जबकि सांप्रदायिक अधिनिर्णय में केवल 71 सीटों की व्यवस्था थी। दूसरे केंद्रीय विधानमंडल में सामान्य वर्ग की सीटों में से 18 प्रतिशत सीटें दलित वर्गों के लिए आरक्षित की गईं। इस प्रकार कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

11. श्री बी.आर. अम्बेडकर व गांधीजी के बीच एक समझौता हुआ था, जो कहलाता है–

(a) कलकत्ता समझौता (b) लंदन समझौता

(c) पूना समझौता (d) लखनऊ समझौता

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे–

(a) गांधीजी एवं लॉर्ड इर्विन

(b) गांधीजी एवं जिन्ना ने

(c) गांधीजी एवं सुभाष चंद्र बोस ने

(d) गांधीजी एवं अम्बेडकर ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(*)

सांप्रदायिक अधिनिर्णय के विरुद्ध गांधीजी के आमरण अनशन के बाद पूना समझौता 24 सितंबर, 1932 को हस्ताक्षरित हुआ। इस समझौते पर गांधीजी के समर्थक एवं अम्बेडकर ने हस्ताक्षर किए थे। गांधीजी ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

13. 'सांप्रदायिक अधिनिर्णय' की घोषणा के पश्चात निम्नलिखित में से किसे संपादित किया गया?

(a) लखनऊ समझौता (b) कराची समझौता

(c) लाहौर समझौता (d) पूना समझौता

U.P. U.D.A./L.D.A. (Spl) (Mains) 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. निम्नलिखित में से किसने ऐतिहासिक 1932 के पूना समझौता पर हस्ताक्षर नहीं किए थे?

(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) मदन मोहन मालवीय

(c) सी. राजगोपालाचारी (d) एम.के. गांधी

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(d)

24 सितंबर, 1932, दिन शनिवार को सायं 5 बजे पूना समझौता हस्ताक्षरित हुआ। दलित वर्ग की ओर से डॉ. अम्बेडकर ने तथा हिंदू जाति की ओर से पं. मदन मोहन मालवीय ने इस पर हस्ताक्षर किए। एम.एम. जयकर, देवदास गांधी, विश्वास, राज भोज, पी. बालू, गवई, ठक्कर, सोलंकी, तेज बहादुर सप्रू, जी.डी. बिड़ला, राजगोपालाचारी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, रावबहादुर श्रीनिवासन, एम.सी. राजा, सी.वी. मेहता, बाखले एवं कॉमत अन्य हस्ताक्षरकर्ता थे। बंबई में अन्य अनेक लोगों ने इस पर हस्ताक्षर किए। राजगोपालाचारी ने इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद डॉ. अम्बेडकर से अपनी कलम बदल ली।

15. 1932 में पूना पैक्ट के बाद हरिजन सेवक संघ की स्थापना हुई। इसके अध्यक्ष–

(a) जगजीवनराम थे (b) घनश्याम दास बिड़ला थे

(c) बी.आर. अम्बेडकर थे (d) अमृतलाल ठक्कर थे

U.P. P.C.S. (Pre) 1994

U.P. P.C.S. (Mains) 2011

उत्तर–(b)

पूना समझौते (1932) के बाद महात्मा गांधी की रुचि सविनय अवज्ञा आंदोलन में नहीं रही, अब वह पूरी तरह अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन में रुचि लेने लगे तथा इस प्रकार 'अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग' की स्थापना हुई, जिसका नाम परिवर्तित कर 'हरिजन सेवक संघ' कर दिया गया। घनश्याम दास बिड़ला (जी.डी. बिड़ला) इसके प्रथम अध्यक्ष थे।

16. ऑल इंडिया अनटचेबिलिटी लीग, बाद में जिसका नाम बदलकर 'हरिजन सेवक संघ' हुआ, इसके प्रथम अध्यक्ष निम्नलिखित में से थे–

(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) जी.डी. बिड़ला

(c) ज्योतिबा फुले (d) एम.के. गांधी

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. 1932 में स्थापित अखिल भारतीय अछूत-विरोधी लीग के प्रथम प्रेसीडेंट थे–

(a) बी.आर. अम्बेडकर (b) अमृत लाल ठक्कर

(c) जी.डी. बिड़ला (d) एम.के. गांधी

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

18. **अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना किसने की थी?**
(a) महात्मा गांधी (b) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
(c) नारायण गुरु (d) विवेकानंद
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(a)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अखिल भारतीय हरिजन संघ (या हरिजन सेवक संघ) की स्थापना वर्ष 1932 में की थी। वर्ष 1933 में उन्होंने साप्ताहिक 'हरिजन' नामक पत्रिका का प्रकाशन भी प्रारंभ किया था। अखिल भारतीय हरिजन संघ का अध्यक्ष गांधीजी ने घनश्याम दास बिड़ला को बनाया था।

19. **'हरिजन सेवक संघ' का पूर्व नाम था–**
(a) ऑल इंडिया एंटी अनटचेबिलिटी लीग
(b) ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेज एसोसिएशन
(c) डिप्रेस्ड क्लासेज एसोसिएशन फॉर सोशल रिफार्म्स
(d) एसोसिएशन ऑफ अनटचेबल्स
U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(a)

महात्मा गांधी ने 30 सितंबर, 1932 को समाज से अस्पृश्यता मिटाने हेतु 'ऑल इंडिया एंटी अनटचेबिलिटी लीग' की स्थापना की, जिसका नाम आगे चलकर 'हरिजन सेवक संघ' पड़ा।

20. **'ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेज लीग' स्थापित किया गया था–**
(a) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा
(b) बाबू जगजीवन राम द्वारा
(c) एन.एस. काजरोलकर द्वारा
(d) महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा
U.P. P.C.S. (Pre) 2000

उत्तर–(b)

ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेज लीग की स्थापना बाबू जगजीवन राम ने की थी, जबकि ऑल इंडिया सेड्यूल कास्ट फेडरेशन की स्थापना डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने वर्ष 1942 में की थी तथा ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेज एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1926 में एम.सी. राजा (Rajah) की अध्यक्षता में हुआ था।

21. **निम्नलिखित में से किसने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की 1932 में स्थापना की?**
(a) बी.जी. गोखले (b) एम.के. गांधी
(c) बी.आर. अम्बेडकर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(b)

हरिजनों के कल्याण एवं अस्पृश्यता के विरुद्ध वर्ष 1932 में एम.के. गांधी ने 'राष्ट्रीय अस्पृश्यता निवारण संघ' की स्थापना की। वर्ष 1934 में इसी का नाम बदलकर हरिजन सेवक संघ कर दिया गया। वर्ष 1933 में गांधी द्वारा साप्ताहिक-पत्र 'हरिजन' का प्रकाशन भी प्रारंभ किया गया। बी.आर. अम्बेडकर द्वारा वर्ष 1942 में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ की स्थापना की गई।

22. **निम्नलिखित में से किसने कहा था "महात्मा गांधी क्षणिक भूत की भांति धूल उठाते हैं लेकिन स्तर नहीं।"**
(a) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (b) एम.ए. जिन्ना
(c) वी.डी. सावरकर (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(a)

14 अगस्त, 1931 को बंबई में वार्ता के दौरान डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने कहा था "इतिहास बताता है कि महात्मा गांधी क्षणिक भूत की भांति धूल उठाते हैं लेकिन स्तर नहीं उठाते।" ज्ञातव्य है कि 'दलितों की स्थिति' के बारे में गांधीजी तथा अम्बेडकर के बीच मतभेद था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनॉल्ड द्वारा घोषित कम्युनल अवॉर्ड में दलितों को पृथक प्रतिनिधित्व दिए जाने के बाद 20 सितंबर, 1932 को महात्मा गांधी ने आमरण अनशन प्रारंभ किया। 24 सितंबर को अम्बेडकर और गांधीजी के अनुयायियों के मध्य पूना समझौता हुआ।

कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (1934)

नोट्स

***मई, 1934** में **पटना** में कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान ही इन सदस्यों की एक अलग बैठक हुई, जिसमें **ऑल इंडिया कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना** को औपचारिक मान्यता दी गई तथा अक्टूबर-नवंबर, 1934 के दौरान बंबई में इसकी नीतियां एवं कार्य-प्रणालियां तय की गईं। ***वर्ष 1934** में पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी के संयोजक जयप्रकाश नारायण थे। * जयप्रकाश नारायण को पार्टी का महासचिव तथा आचार्य नरेंद्र देव को अध्यक्ष चुना गया था। * इन नेताओं ने युवा वर्ग को कम्युनिस्ट पार्टी की ओर जाने से रोकने के लिए कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। * इसके अन्य सदस्य थे–अशोक मेहता, अच्युत पटवर्धन, मीनू मसानी, डॉ. राममनोहर लोहिया, पुरुषोत्तम विक्रम दास, यूसुफ मेहर अली, गंगा शरण सिंह तथा कमलादेवी चट्टोपाध्याय आदि। ***जयप्रकाश नारायण बिहार सोशलिस्ट पार्टी** से जुड़े थे। * **बिहार सोशलिस्ट पार्टी का गठन** गंगाशरण सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी और रामानंद मिश्र आदि ने किया था। ***श्री नरसिंह नारायण समाजवादी** थे। * वे **बिहार सोशलिस्ट पार्टी** से जुड़े थे। ***जयप्रकाश नारायण** को **'लोकनायक'** के नाम से भी जाना जाता है। * वर्ष 1942 में भारत छोड़ो

Scanned with OKEN Scanner

आंदोलन के दौरान इन्होंने डॉ. राममनोहर लोहिया तथा अरुणा आसफ अली के साथ मिलकर गुप्त रूप से भारतीय जनता को संगठित किया था। * इन्होंने 5 जून, 1974 को पटना के गांधी मैदान में संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया।

*** वर्ष 1999 में मरणोपरांत इन्हें भारत रत्न** प्रदान किया गया। ***अप्रैल, 1946** में जयप्रकाश नारायण की रिहाई के लिए **'जयप्रकाश दिवस'** मनाया गया। * पटना के बांकीपुर मैदान में एक जनसभा हुई, जिसमें राजनीतिक बंदियों को जेल में रखने की सरकारी नीति की आलोचना तथा जयप्रकाश की रिहाई की मांग की गई। * **20 मई, 1936** को बंबई के **21 उद्योगपतियों ने 'बंबई मेनिफेस्टो' पर हस्ताक्षर** किए। *यह मेनिफेस्टो प्रत्यक्ष रूप से समाजवादी आदर्शों के प्रतिपादन का विरोधी था, जैसा कि नेहरू ने लखनऊ अधिवेशन में कहा था।

प्रश्नकोश

1. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की पहली बैठक हुई–

(a) दिल्ली में (b) नासिक में
(c) पटना में (d) लाहौर में

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(c)

मई, 1934 में पटना में कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान ही इन सदस्यों की एक अलग बैठक हुई, जिसमें ऑल इंडिया कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना को औपचारिक मान्यता दी गई तथा अक्टूबर-नवंबर, 1934 के दौरान बंबई में इसकी नीतियां एवं कार्य-प्रणालियां तय की गईं।

2. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की पहली बैठक पटना में हुई, वर्ष–

(a) 1921 में (b) 1934 में
(c) 1937 में (d) 1939 में

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. **इसने ब्रिटिश माल के बहिष्कार और करों के अपवंचन (इवेजन) की वकालत की।**
2. **यह सर्वहारा-वर्ग का अधिनायकत्व स्थापित करना चाहती थी।**
3. **इसने अल्पसंख्यकों तथा दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचन-क्षेत्र की वकालत की।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3 (d) कोई नहीं

I.A.S. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी ने ब्रिटिश उत्पादों तथा करों के बहिष्कार का समर्थन किया, न कि करों के अपवंचन का। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नेता समानता के आधार पर समाजवादी समाज की स्थापना करना चाहते थे। सर्वहारा वर्ग का अधिनायकत्व स्थापित करना इनका लक्ष्य नहीं था, यह मार्क्सवाद का लक्ष्य था। इसने अल्पसंख्यकों तथा दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्र की वकालत नहीं की। अतः स्पष्ट है कि इसका उत्तर विकल्प (d) होगा।

4. निम्नलिखित में से कौन कांग्रेस समाजवादी दल का प्रमुख नेता था?

(a) एम.एन. राय (b) गणेश शंकर विद्यार्थी
(c) पट्टमताणु पिल्लै (d) आचार्य नरेंद्र देव

U.P. P.C.S. (Pre)1996

उत्तर–(d)

कांग्रेस समाजवादी पार्टी
स्थापना – वर्ष 1934 में
संस्थापक–आचार्य नरेंद्र देव एवं जयप्रकाश नारायण
अन्य सदस्य–अशोक मेहता, अच्युत पटवर्धन, मीनू मसानी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, पुरुषोत्तम विक्रम दास, यूसुफ मेहर अली, गंगा शरण सिंह तथा कमलादेवी चट्टोपाध्याय आदि।

5. 1934 ई. में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना की गई थी-

(a) जवाहरलाल नेहरू और विनोबा भावे द्वारा
(b) जवाहरलाल नेहरू और जयप्रकाश नारायण द्वारा
(c) जयप्रकाश नारायण और आचार्य नरेंद्र देव द्वारा
(d) अशोक मेहता और डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) (Re-Exam) 2020

उत्तर–(c)

वर्ष 1934 में जयप्रकाश नारायण तथा आचार्य नरेंद्र देव के प्रयत्नों के फलस्वरूप 'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' का गठन किया गया था। इस पार्टी के अन्य सदस्यों में डॉ. राम मनोहर लोहिया, अच्युत पटवर्धन, मीनू मसानी तथा अशोक मेहता जैसे व्यक्ति शामिल थे। इस पार्टी का प्रथम सम्मेलन वर्ष 1934 में पटना में हुआ था।

Scanned with OKEN Scanner

6. वर्ष 1934 में पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी का संयोजक कौन था?

(a) आचार्य नरेंद्र देव (b) अच्युत पटवर्धन
(c) जयप्रकाश नारायण (d) डॉ. राम मनोहर लोहिया

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(c)

वर्ष 1934 में पटना में अखिल भारतीय कांग्रेस समाजवादी पार्टी के संयोजक जयप्रकाश नारायण थे। इसके संस्थापकों में जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव, अशोक मेहता आदि प्रमुख थे। जयप्रकाश नारायण को पार्टी का महासचिव तथा आचार्य नरेंद्र देव को अध्यक्ष चुना गया था। इन नेताओं ने युवा वर्ग को कम्युनिस्ट पार्टी की ओर जाने से रोकने के लिए कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी।

7. वर्ष 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन किया गया था द्वारा–

(a) जयप्रकाश नारायण एवं जवाहरलाल नेहरू
(b) जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेंद्र देव
(c) जयप्रकाश नारायण एवं सुभाष चंद्र बोस
(d) सुभाष चंद्र बोस एवं जवाहरलाल नेहरू

U.P. P.C.S. (Mains) 2008

उत्तर–(b)

वर्ष 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी का गठन कांग्रेस के भीतर ही जयप्रकाश नारायण, योगेंद्र शुक्ला, मीनू मसानी और आचार्य नरेंद्र देव आदि द्वारा किया गया था।

8. जयप्रकाश नारायण इस पार्टी से जुड़े थे–

(a) कांग्रेस पार्टी (b) कम्युनिस्ट पार्टी
(c) कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (d) किसान सभा

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008
42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. बिहार सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक थे–

(a) जयप्रकाश नारायण (b) सत्यभक्त
(c) एम.एन. राय (d) सुभाष चंद्र बोस

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

जयप्रकाश नारायण बिहार सोशलिस्ट पार्टी से जुड़े थे। बिहार सोशलिस्ट पार्टी का गठन फूलनप्रसाद वर्मा, गंगाशरण सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी और रामानंद मिश्र आदि ने किया था।

10. बिहार समाजवादी पार्टी (ई.स. 1931) का गठन किन्होंने किया था?

(a) फूलनचंद तिवारी और राजेंद्र प्रसाद
(b) फूलनप्रसाद वर्मा और जयप्रकाश नारायण
(c) राजकुमार शुक्ल और स्वामी अग्निवेश
(d) स्वामी सहजानंद और स्वामी योगानंद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. वर्ष 1931 में 'बिहार समाजवादी पार्टी' का गठन किसने किया?

(a) फूलनप्रसाद वर्मा (b) स्वामी योगानंद
(c) नरहरि पारीख (d) दादाभाई नौरोजी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

(a) महात्मा गांधी (b) सुभाष चंद्र बोस
(c) जयप्रकाश नारायण (d) बाल गंगाधर तिलक

46th B.P.S.C. (Pre) 2004

उत्तर–(c)

जयप्रकाश नारायण को 'लोकनायक' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान इन्होंने डॉ. राम मनोहर लोहिया तथा अरुणा आसफ अली के साथ मिलकर गुप्त रूप से भारतीय जनता को संगठित किया था। इन्होंने 5 जून, 1974 को पटना के गांधी मैदान पर संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया। वर्ष 1999 में मरणोपरांत इन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया।

13. जयप्रकाश नारायण किस नाम से पहचाने जाते है?

(a) लोकमान्य (b) लोकनायक
(c) लोकहितवादी (d) लोकनेता

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. जयप्रकाश नारायण को कौन-सी उपाधि दी गई थी?

(a) प्रजा हितेच्छु (b) लोकनायक
(c) लोकमान्य (d) राष्ट्रनायक

Scanned with OKEN Scanner

(c) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. जयप्रकाश दिवस मनाया गया–

(a) जनवरी, 1946 में (b) फरवरी, 1946 में

(c) मार्च, 1946 में (d) अप्रैल, 1946 में

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(d)

अप्रैल, 1946 में जयप्रकाश नारायण की रिहाई के लिए 'जयप्रकाश दिवस' मनाया गया। पटना के बांकीपुर मैदान में एक जनसभा हुई, जिसमें राजनीतिक बंदियों को जेल में रखने की सरकारी नीति की आलोचना तथा जयप्रकाश की रिहाई की मांग की गई।

16. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. 1936 में हस्ताक्षरित ''बंबई मेनिफेस्टो'' प्रत्यक्ष रूप से समाजवादी आदर्शों के प्रतिपादन का विरोधी था।

2. इसको समस्त भारत से वृहद व्यापारिक समुदाय का सहयोग मिला था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर–(c)

मई, 1936 को बंबई के 21 उद्योगपतियों ने 'बंबई मेनिफेस्टो' पर हस्ताक्षर किए। यह मेनिफेस्टो प्रत्यक्ष रूप से समाजवादी आदर्शों के प्रतिपादन का विरोधी था, जैसा कि नेहरू ने लखनऊ अधिवेशन में कहा था। इस मेनिफेस्टो को वृहद व्यापारिक समुदाय का सहयोग भी मिला। अतः प्रश्नगत दोनों कथन सही हैं।

Scanned with OKEN Scanner